International Journal of Advanced Educational Research
ISSN: 2455-6157; Impact Factor: RJIF 5.12
Received: 10-11-2019; Accepted: 13-12-2019
www.educationjournal.org
Volume 5; Issue 1; January 2020; Page No. 43-46

हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग आधारित शिक्षक अपेक्षा सम्बन्धी अध्ययन

डॉ0 ललित मोहन पाण्डे
सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष बी0एड0 एल0बी0एस0 राजकीय महाविद्यालय, हल्दूचौड़ जनपद–नैनीताल, उत्तराखण्ड, भारत

सरांश
राजन्थल एवं जेकब्सन के प्रथम प्रकाशन ''पिग्मेलियन इन द क्लासरूम'' के पश्चात् शिक्षाविदों का ध्यान इस ओर गया कि कक्षा–कक्ष में शिक्षक अवलोकन आधारित अनुमान की त्रुटि के कारण ऋणात्मक अपेक्षा रखने से विद्यार्थी के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार हो सकता है। अनेक शोधकर्ताओं द्वारा विद्यार्थी सफलता एवं उपलब्धि के प्रति अपेक्षा निर्माण को प्रभावित करने वाली विशेषताओं के रूप में लिंग की पहचान की गयी। प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास किया गया है कि क्या हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के प्रति शिक्षकों द्वारा विद्यार्थी लिंग के आधार पर भिन्न–भिन्न अपेक्षाऐं रखी जाती हैं? अध्यापकों द्वारा इनमें से किस विषय को छात्र सकारात्मक व किसे छात्रा सकारात्मक विषय के रूप में देखा जाता है? अध्ययन हेतु जनपद अल्मोड़ा के 50 हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट कॉलेजों से 373 हाईस्कूल स्तर पर अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षकों को चयनित किया गया। स्व–निर्मित व्यक्तिगत सूचना प्रपत्र व टी0ई0बी0क्यू0 प्रश्नावली का उपयोग करके प्रदत्त संकलन किया गया। परिकल्पना परीक्षण हेतु प्रदत्तों के अंकीकरण के उपरान्त सांख्यिकीय विष्लेषण में अनुमानात्मक सांख्यिकी के अन्तर्गत काई वर्ग परीक्षण (α^2 test) का प्रयोग किया गया। अध्ययन के परिणाम स्वरूप ज्ञात हुआ कि हाईस्कूल स्तर के शिक्षक हिन्दी एवं संस्कृत विषय के लिए छात्रों की तुलना में छात्राओं से उच्च सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं जबकि अंग्रेजी में इसके विपरीत छात्रों से छात्राओं की तुलना में उच्च सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं। शिक्षकों में विभिन्न भाषाओं के प्रति विद्यार्थी लिंग के आधार पर भिन्न अपेक्षाऐं रखने की प्रवृत्ति पायी जाती है।

मुख्य शब्द: शिक्षक अपेक्षा, लिंग आधारित, विषय।

प्रस्तावना
लिंग के आधार पर विभिन्नता को जीवन के क्षेत्रों में महिला–पुरूष योग्यता की असमानता का आवश्यक रूप से निर्धारक नहीं माना जा सकता। परन्तु समाज में व्याप्त अवधारणाओं की वजह से लिंग भेद को महिला–पुरूष योग्यता, क्षमता, दृष्टिकोण, व्यवसाय, विषय चयन और बुद्धि–लब्धि तक में असमानता का आधार मान लिया गया है।

वर्षों पुरानी आधारहीन अवधारणाओं को समाज में आज भी स्वीकृति मिली हुयी है। समाज, घर व विद्यालय तीनों स्थानों पर बच्चे से लिंग के आधार पर अपेक्षा निर्माण किया जाता है और तद्नुसार व्यवहार सम्पादित किया जाता है। विद्यालयों में विषयों के चयन का भी इसी अवधारणा द्वारा निर्धारण हो रहा है। बच्चे की व्यक्तिगत मानसिक योग्यता, अभिरूचि, अभिवृत्ति जैसी विभिन्नताओं को ध्यान में न रखकर उसे लिंग के आधार पर सम्बद्ध विषयों को दिला दिया जाता है। विषय चयन के सन्दर्भ में आज भी विद्यालयों में स्त्री व पुरूषों का विषय विशेष के चयन अनुपात में भिन्नता स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती है।

समाज में कुछ विषयों को मात्र पुरूषों व कुछ को मात्र महिलाओं के लिए निर्मित समझना हमारे पक्षपात को प्रदर्शित करता है। इन विषयों में लिंग विशेष के व्यक्तियों से उच्च या निम्न सफलता अपेक्षा रखने की प्रवृत्ति पायी जाने की अत्यधिक सम्भावना रहती है। चूँकि शिक्षक भी इसी समाज का एक अंग है यदि उसके द्वारा भी ऐसी अपेक्षाऐं रखी जाती हैं तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। परन्तु शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों के लिए लिंग के आधार पर रखी जाने वाली अपेक्षाओं का विद्यार्थियों पर सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

वर्तमान शोध द्वारा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि क्या शिक्षक विद्यार्थियों से लिंग के आधार पर विभिन्न भाषाओं यथा हिन्दी, अंग्रेजी व संस्कृत में भिन्न–भिन्न अपेक्षाऐं रखते हैं? किस भाषा के प्रति छात्र सकारात्मक व किसके प्रति छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखी जाती है?

समस्या कथन: हाईस्कूल स्तर के षिक्षकों के मध्य हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग सम्बन्धी षिक्षक अपेक्षाओं का अध्ययन।

शिक्षक अपेक्षा: अनेक विद्वानों द्वारा दी गयी विभिन्न परिभाषाओं के निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि विद्यार्थी की क्षमताओं का शिक्षक द्वारा प्रत्यक्षीकरण ही शिक्षक अपेक्षाऐं कहलाती हैं।''

अध्ययन का उद्देश्य: अध्ययन का मुख्य उद्देश्य हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों के मध्य हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग सम्बन्धी अपेक्षाओं का सर्वेक्षण करना। इसके अतिरिक्त इन तीनों भाषाओं के प्रति शिक्षक अपेक्षाओं की तुलना करना है।

सीमायें: शिक्षकों का चयन हाईस्कूल स्तर पर पढ़ाने वाले शिक्षकों से किया गया। शिक्षक अपेक्षा का अध्ययन केवल विद्यार्थी के लिंग विभेद तक सीमित रखा गया। हाईस्कूल स्तर पर पढ़ाये जाने वाले तीन भाषाओं को शिक्षक अपेक्षा का आधार बनाया गया।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व: माध्यमिक स्तर पर अध्यापनरत शिक्षकों द्वारा विभिन्न भाषाओं को क्या विद्यार्थी लिंग से जोड़कर देखा जा रहा है? यदि ऐसे निष्कर्ष प्राप्त होते हैं यह शिक्षा के उद्देश्यों के अतिरिक्त समानता, न्याय आदि के सिद्धान्तों के विपरीत होगा। विद्यालयों में छात्र–छात्राओं के साथ लिंग के आधार पर जुड़ी विषयपरक अपेक्षाओं और उनका विषय चयन पर प्रभाव की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट होगा तथा शिक्षा सम्बन्धी नीति निर्धारण में सहयोग प्राप्त हो सकेगा। भविष्य में विद्यार्थियों को विषय चयन के अवसर उनकी योग्यता, अभिरूचि, क्षमता व अभिवृत्ति के अनुरूप प्राप्त हो सकें; न कि लिंग के आधार पर चयन क्षेत्र सीमित हो जायें।

सम्बन्धित साहित्य: विद्यार्थी लिंग आधारित शिक्षक अपेक्षा सम्बन्धी अध्ययनों के अन्तर्गत ''शिक्षक अपेक्षा, विद्यार्थी लिंग से प्रभावित होती है'' इसके पक्ष में परिणाम देने वाले कुछ प्रमुख अध्ययन इस प्रकार हैं– जैक्सन व लाहडेम (1967); ओप्डायकी एवं विलियम्स (1972); डॉयल, हेन्कॉक व किफर (1972) ; मेसन (1973); गेर्षमेन (1977); एडम्स (1978); पार्टर (1979); टॉम, कूपर व मेकग्रा (1984) आदि।

शिक्षण विषय सम्बन्धी अध्ययनों के अन्तर्गत गणित विषय को लेकर किये गये अध्ययनों में स्मीड (1977); डॉसियर (1979); फेन (1980); एन्टविस्ले व बार्कर (1983); विसर (1987); हाउस (1995) प्रमुख हैं। ओ ब्रेएन (1975) एवं डोह्यर्टी एवं हिएर (1988) ने गणित व पढ़ने सम्बन्धी अध्ययन किये। विज्ञान विषय को लेकर हार्वे (1980) तथा फिलिप्स (1980) द्वारा गणित, विज्ञान, कला व

साहित्य विषयों से सम्बन्धित लिंग आधारित अपेक्षा को जानने का प्रयास किया गया।

परिकल्पनाऐं: प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित परिकल्पनाऐं कल्पित की गयी हैं

1. हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों में हिन्दी विषय के प्रति लिंग सम्बन्धी विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं का प्राप्त वितरण, समान सम्भाविता वितरण से सार्थक रूप से भिन्न नहीं होता।
2. हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों के मध्य अंग्रेजी विषय के प्रति लिंग सम्बन्धी विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं का प्राप्त वितरण, समान सम्भाविता वितरण से सार्थक रूप से भिन्न नहीं होता।
3. हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों के मध्य संस्कृत विषय के प्रति लिंग सम्बन्धी विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं का प्राप्त वितरण, समान सम्भाविता वितरण से सार्थक रूप से भिन्न नहीं होता।
4. हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं होता।
5. हिन्दी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं होता।
6. अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं होता।

न्यादर्श: अध्ययन हेतु जनपद अल्मोड़ा स्थित कुल 50 विद्यालयों का चयन किया गया। इन विद्यालयों में अध्यापनरत विभिन्न विषयों के कुल 373 शिक्षकों से प्रत्युत्तर प्राप्त किये गये।

न्यादर्श चयन विधि: जनपद में स्थित समस्त हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट विद्यालयों में से 50 विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया। तत्पश्चात् सर्वेक्षण हेतु शिक्षकों का चयन इन चयनित विद्यालयों के शिक्षकों की उपलब्धता के आधार पर किया गया।

उपकरण: शोधकार्य हेतु निर्मित प्रपत्र व प्रश्नावली का निर्माण शोधार्थी द्वारा स्वयं किया गया। व्यक्तिगत सूचना प्रपत्र एवं टी0ई0बी0क्यू0 का प्रयोग चयनित न्यादर्श से प्रत्युत्तर प्राप्त करने के लिए किया गया।

सांख्यिकीय विधियों का चयन: परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिए प्रदत्तों के संकलन व अंकीकरण के उपरान्त सांख्यिकीय विश्लेषण की आवश्यकता पड़ती है। शोधकार्य हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकी के अतिरिक्त अनुमानात्मक सांख्यिकी के अन्तर्गत काई वर्ग परीक्षण (χ^2 test) का प्रयोग किया गया।

सारणी 1: हिन्दी विषय के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक एवं उदासीन शिक्षकों के मध्य तुलना

षिक्षक अपेक्षा वर्ग	शिक्षक संख्या	डी0 एफ0	काई वर्ग मान	सार्थकता (0.05) स्तर
छात्र सकारात्मक	76 (20.38)	2	75.52	सार्थक है।
छात्रा सकारात्मक	201 (53.89)			
उदासीन	96 (25.73)			

∗कोष्ठक में दी गयी संख्यायें प्रतिशत आवृत्तियाँ हैं।

सारणी–1 से स्पष्ट है कि हिन्दी विषय से सम्बन्धित शिक्षक अपेक्षाओं (छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक व उदासीन) की आवृत्तियाँ क्रमशः 20.38%, 53.89%, एवं 25.73% हैं। जो कि समान सम्भावना हेतु प्रत्याशित आवृत्ति (33.3 प्रत्येक समूह हेतु) से भिन्न है। काई वर्ग मान से ज्ञात होता है कि आवृत्तियों की यह भिन्नता मात्र संयोग न होकर सार्थक रूप से भिन्न है। अधिकांश शिक्षक (53.89 %) हिन्दी विषय में छात्राओं के अच्छे प्रदर्शन की अपेक्षा रखते हैं।

सारणी–2: अंग्रेजी विषय के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक एवं उदासीन शिक्षकों की आवृत्तियों के मध्य तुलना–

शिक्षक अपेक्षा वर्ग	शिक्षक संख्या	डी0 एफ0	काई वर्ग मान	सार्थकता (0.05) स्तर
छात्र सकारात्मक	232 (62.20)	2	153.85	सार्थक है।
छात्रा सकारात्मक	41 (10.99)			
उदासीन	100 (26.81)			

∗कोष्ठक में दी गयी संख्यायें प्रतिशत आवृत्तियाँ हैं।

सारणी–2 से स्पष्ट है कि अंग्रेजी विषय के प्रति लिंग आधारित शिक्षक अपेक्षाओं का वितरण समान सम्भाविता विवरण से भिन्न है क्योंकि छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक एवं उदासीन अपेक्षाओं की आवृत्तियों का प्रतिशत असमान क्रमशः 62.20, 10.99 एवं 26.81 है। काई वर्ग मान के आधार पर भी 0.05 स्तर पर अन्तर सार्थक है। अंग्रेजी विषय के लिए शिक्षकों ने छात्रों की ओर अपना सकारात्मक झुकाव प्रदर्शित किया है।

सारणी–3: संस्कृत विषय के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक एवं उदासीन शिक्षकों की आवृत्तियों के मध्य तुलना–

शिक्षक अपेक्षा वर्ग	शिक्षक संख्या	डी0 एफ0	काई वर्ग मान	सार्थकता (0.05) स्तर
छात्र सकारात्मक	38 (10.19)	2	169.87	सार्थक है।
छात्रा सकारात्मक	238 (63.81)			
उदासीन	97 (26.00)			

∗ कोष्ठक में दी गयी संख्यायें प्रतिशत आवृत्तियाँ हैं।

संस्कृत विषय के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक एवं उदासीन शिक्षक अपेक्षा के लिए प्राप्त आवृत्तियाँ क्रमशः 10.19, 63.81 एवं 26.00 प्रतिशत है जो कि समान सम्भाविता विवरण से भिन्न है। प्राप्त काई वर्ग मान से भी यह स्पष्ट है कि इन तीनों प्रकार के अपेक्षा समूहों की आवृत्तियों के मध्य अन्तर सार्थक है। संस्कृत विषय के प्रति शिक्षकों ने छात्राओं से छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक अपेक्षा व्यक्त की।

इस प्रकार भाषा के अन्तर्गत जहाँ अंग्रेजी के प्रति शिक्षकों के छात्र सकारात्मक अपेक्षा होने की प्रवृत्ति पायी गयी वहीं हिन्दी व संस्कृत में छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखने की प्रवृत्ति पायी गयी।

विभिन्न भाषा विषयों के प्रति हाईस्कूल स्तर पर अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षकों द्वारा विद्यार्थी लिंग के आधार पर निर्मित अपेक्षाओं के मध्य अन्तर की स्थिति का पता लगाने एवं दो विषय संयोगों में छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक व उदासीन शिक्षकों के वितरण को जानने का प्रयास सारणी 4–6 तक में किया गया है। हिन्दी–अंग्रेजी, हिन्दी–संस्कृत तथा

अंग्रेजी–संस्कृत विषयों के प्रति तीनों प्रकार की अपेक्षा रखने वाले शिक्षकों को आन्तरिक विवरणानुसार काई वर्ग मान के अन्तर की सार्थकता की जाँच अग्रांकित सारणियों में की गयी है।

सारणी–4: हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं की तुलना –

हिन्दी/अंग्रेजी	छात्र सकारात्मक	छात्रा सकारात्मक	उदासीन	योग
छात्र सकारात्मक	67 (17.2)	125 (33.5)	43 (11.5)	232 (62.2)
छात्रा सकारात्मक	1 (0.3)	34 (9.1)	6 (1.6)	41 (11.0)
उदासीन	11 (2.9)	42 (11.3)	47 (12.6)	100 (26.8)
योग	76 (20.4)	201 (53.9)	96 (25.7)	373 (100.0)

∗ कोष्ठक में दी गयी संख्यायें प्रतिशत आवृत्तियाँ हैं।

काई वर्ग मान 49.95, डी0एफ0 4, 0.05 स्तर पर सार्थक, आसंग गुणांक 0. 34, 0.05 स्तर पर सार्थक।

सारणी से स्पष्ट है कि हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं के मध्य अन्तर सार्थक है। 373 शिक्षकों में से दोनों विषयों के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक व उदासीन अपेक्षा रखने वाले शिक्षक क्रमशः 17.2, 9.1 व 12.6 प्रतिशत पाये गये। सर्वाधिक 33. 5 प्रतिशत ऐसे थे जो हिन्दी के प्रति छात्रा सकारात्मक व अंग्रेजी के प्रति छात्र सकारात्मकता अपेक्षा रखते थे जबकि सबसे कम 0.3 प्रतिशत शिक्षक हिन्दी के लिए छात्र व अंग्रेजी के लिए छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखने वाले पाये गये।

हिन्दी के प्रति छात्र सकारात्मक अपेक्षा रखने वाले 96 शिक्षकों में से अंग्रेजी के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक व उदासीन अपेक्षा रखने वाले शिक्षकों का प्रतिशत क्रमशः 84.2, 1.3 व 14.5 है। हिन्दी के प्रति छात्रा सकारात्मकता रखने वाले 201 शिक्षकों में से 62.2 प्रतिशत अंग्रेजी में छात्र सकारात्मक, 16.9 प्रतिशत छात्रा सकारात्मक व 22.9 प्रतिशत उदासीन अपेक्षा रखते हैं।

सारणी 5: हिन्दी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं के मध्य तुलना–

हिन्दी/संस्कृत	छात्र सकारात्मक	छात्रा सकारात्मक	उदासीन	योग
छात्र सकारात्मक	17 (4.6)	18 (4.8)	3 (0.8)	38 (10.2)
छात्रा सकारात्मक	44 (11.8)	156 (41.8)	38 (10.2)	238 (63.8)
उदासीन	15 (4.0)	27 (7.2)	55 (14.7)	97 (26.0)
योग	76 (20.4)	201 (53.9)	96 (25.7)	373 (100.0)

∗कोष्ठक में दी गयी संख्यायें प्रतिशत आवृत्तियाँ हैं।

काई वर्ग मान 80.82, डी0एफ0 4, 0.05 स्तर पर सार्थक, आसंग गुणांक 0. 42, 0.05 स्तर पर सार्थक।

सारणी से स्पष्ट है कि हिन्दी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं के मध्य अन्तर सार्थक है। कुल 373 शिक्षकों में से सर्वाधिक 41.8 प्रतिशत दोनों विषयों के प्रति छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं जबकि दोनो विषयों के प्रति छात्र सकारात्मक 4.6 प्रतिशत व दोनों के प्रति उदासीन 14.7 प्रतिशत हैं।

हिन्दी विषय के प्रति छात्र सकारात्मक अपेक्षा वाले 76 शिक्षकों में से संस्कृत के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक व उदासीन अपेक्षा रखने वाले शिक्षकों का प्रतिशत क्रमशः 22.4, 57.9 व 19.7 है। इसी प्रकार हिन्दी के लिए छात्रा सकारात्मकता वाले 201 शिक्षकों में से 9.0 प्रतिशत छात्र सकारात्मक, 77.6 प्रतिशत छात्रा सकारात्मक व 13.4 प्रतिशत उदासीन अपेक्षा रखते हैं।

सारणी 6: अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं की तुलना

अंग्रेजी/संस्कृत	छात्र सकारात्मक	छात्रा सकारात्मक	उदासीन	योग
छात्र सकारात्मक	29 (7.8)	3 (0.8)	6 (1.6)	38 (10.2)
छात्रा सकारात्मक	172 (46.2)	30 (8.0)	36 (9.7)	238 (63.8)
उदासीन	31 (8.3)	8 (2.1)	58 (15.5)	97 (26.0)
योग	232 (62.2)	41 (11.0)	100 (26.8)	373 (100.0)

∗कोष्ठक में दी गयी संख्यायें प्रतिशत आवृत्तियाँ हैं।

काई वर्ग मान 74.12, डी0एफ0 4, 0.05 स्तर पर सार्थक, आसंग गुणांक 0. 41, 0.05 स्तर पर सार्थक।

सारणी से स्पष्ट है कि अंग्रेजी एवं संस्कृत विषयों के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं के मध्य अन्तर सार्थक है। 373 शिक्षकों में से दोनों विषयों के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक व उदासीन अपेक्षा रखने वाले शिक्षकों का प्रतिशत क्रमशः 7.8, 8.0 तथा 15.5 है। सर्वाधिक 46. 1 प्रतिशत शिक्षक अंग्रेजी के प्रति छात्र सकारात्मक व संस्कृत के प्रति छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं। इसके विपरीत मात्र 0.8 प्रतिशत शिक्षक ही अंग्रेजी के लिए छात्रा व संस्कृत के लिए छात्र सकारात्मक अपेक्षा रखने वाले हैं।

अंग्रेजी के प्रति 232 छात्र सकारात्मक शिक्षकों का संस्कृत के लिए तीनों प्रकार की अपेक्षाओं में वितरण क्रमशः 12.5, 74.1 व 13.4 प्रतिशत पाया गया। जबकि 41 छात्रा सकारात्मक (अंग्रेजी के लिए) शिक्षकों का 7.3 प्रतिशत संस्कृत के लिए छात्र सकारात्मक, 73.2 प्रतिशत छात्रा सकारात्मक तथा 19.5 प्रतिशत उदासीन अपेक्षा वाला पाया गया।

परिणामः परिकल्पनाओं के परीक्षण के पश्चात प्राप्त परिणाम इस प्रकार हैं– हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों में हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत प्रत्येक विषय के प्रति लिंग सम्बन्धी विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं का प्राप्त विवरण, समान सम्भाविता विवरण से सार्थक रूप से भिन्न है।

हिन्दी एवं अंग्रेजी, हिन्दी एवं संस्कृत तथा अंग्रेजी एवं संस्कृत विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षाओं के मध्य सार्थक अन्तर होता है।

निष्कर्षः हाईस्कूल स्तर के शिक्षक हिन्दी एवं संस्कृत के लिए छात्रों की तुलना में उच्च छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं जबकि अंग्रेजी विषय के प्रति छात्राओं की तुलना में छात्रों से उच्च सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं। अर्थात् शिक्षकों में विभिन्न भाषाओं (हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत) के प्रति विद्यार्थी लिंग के आधार पर भिन्न अपेक्षाऐं रखने की प्रवृत्ति पायी जाती है।

सन्दर्भ सूची

1. एडम्स, जी0आर0 (1978), रेसियल मेम्बरशिप एण्ड फिजिकल एट्रेक्टिवनैस एफेक्ट ऑन प्रीस्कूल टीचर्स एक्पेक्सटेशन्स, चाइल्ड स्टडी जरनल, 8, 1, 29–41
2. बार्क, बी0जे0, बिडल एण्ड गुड, टी0एल0 (1980), सेक्स रोल्स, क्लासरूम इण्टरेक्सन एण्ड रीडिंग एचीवमेन्ट, जरनल ऑफ एजूकेशनल सायकोलॉजी, 72, 119–132
3. ढौडियाल, एन0सी0 एण्ड ढौडियाल बी0आर0 (1983), टीचर एक्सपेक्टेन्सी सॉयकल, आशीष पब्लिकेशन हाउस, न्यू डेल्ही
4. ढौडियाल, एन0सी0 (1998), एक्सपेक्टेन्सी बायसेस : कोजेज, कान्सीक्वेन्सेस एण्ड रेमेडी, द एसोसिएटेड पब्लिशर्स, अम्बाला कैन्ट
5. डॉहार्टी, जे0 एण्ड हिएर, ब्रिएन (1988), टीचर एक्सपेक्टेशन्स एण्ड स्पेसिफिक जजमेन्टस : ए स्माल स्केल स्टडी ऑफ द एफेक्ट ऑफ सर्टेन नॉन–काग्नीटिव वेरिएबल ऑन टीचर्स एकेडमिक प्रेडिक्शन्स, एजुकेशनल रिव्यू, 40(3), 333–348
6. डॉयल, डब्लू : हन्कॉक, जी0 एण्ड किफर, ई0 (1992), टीचर्स पर्सेप्सन्सः डू दे मेक ए डिफरेन्स? जर्नल ऑफ द एसोशिएसन फॉर द स्टडी ऑफ पर्सेशन, 7, 21–30
7. एन्टविस्ले, डी0आर0 एण्ड डी0पी0 बार्कर (1983), जेन्डर एण्ड यंग चिल्ड्रन्स एक्सपेक्टेशन्स फॉर परफोमेन्स इन एरिथमेटिक डेवलेपमेन्टल सायकोलॉजी, 14, 2, 200–209
8. फेन डेर–शिन (1980), द एफेक्ट्स ऑफ टीचर्स एक्सपेक्टेशन ऑन स्टूडेन्टस ग्रेड ऑफ मेथमेटिक्स एण्ड डिपार्टमेन्ट, बुलेटिन ऑफ एजुकेशनल सायकोलॉजी, 13, 179–185
9. गेर्शमेन, डी0ए0 (1977), मदर एण्ड टीचर्स एजुकेशनल एक्सपेक्टेशन्स फॉर फर्स्ट बोर्न फर्स्ट ग्रेडर। डिजर्टेशन एब्सट्रेक्ट इण्टरनेशनल, 38, 1, 100–ए0
10. हार्वे, टी0जे0 एण्ड एडवर्ड पी0 (1980), चिल्ड्रन्स एक्सपेक्टेशन्स ऑफ साइन्स, ब्रिटिश जरनल ऑफ एजूकेशनल सायकोलॉजी, 50(1), 74–74
11. हाउस, जे0डी0 (1995), नॉन कॉगनीटिव प्रेडिक्टर्स ऑफ एचीवमेन्ट इन इन्ट्रोडक्टरी कॉलेज मेथमेटिक्स, जरनल ऑफ कॉलेज स्टूडेन्ट डेवलपमेन्ट, 36(2), 171–181
12. जेक्सन, पी0 एण्ड एच0 लडाडेम (1967), इनइक्वेलिटीज ऑफ टीचर प्यूपिल कॉन्टेन्टस सायकोलॉजी इन स्कूल, 4, 204–211
13. मर्टोन, आर0 (1948), द सेल्फ–फुलफिलिंग प्रोफेसी, एन्टाऑक रिव्यू, 8, 143–210
14. मेसन, ई0जे0 (1973), टीचर्स आब्सर्वेशन एण्ड एक्सपेक्टेशन्स ऑफ बॉयस एण्ड गर्ल्स एस इन्फयूएन्स बाय बायस्ड सायकोलॉजिकल रिपोर्ट एण्ड नॉलेज ऑफ द एफेक्ट ऑफ बॉयस, जर्नल ऑफ एजुकेशनल सायकोलॉजी, 65, 238–243
15. मीस, जे0एल0 एण्ड पार्सन्स (1982), सेक्स डिफरेन्सेस इन मेथमेटिक्स एचीवमेन्ट टूवर्ड एण्ड मॉडल ऑफ एकेडमिक चॉयस सायकोलॉजिकल बुलेटिन, 91, 2, 324–348
16. ओ0ब्रिएन, सी0डब्ल्यू0 (1975), प्यूपिल्स एचीवमेन्ट, एटेन्डेन्स एण्ड एटिट्यूड्स एण्ड द रिलेशनशिप बिटवीन टीचर पर्सेप्शन, टीचर सेक्स एण्ड प्यूपिल सेक्स, डिजर्टेशन एब्सट्रेक्ट इण्टरनेशनल, 36(3), 1244–ए
17. ओपडायके, जे0एण्ड विलियम्स, आर0 (1972), द इफेक्ट्स ऑफ एक्सपेक्टेन्सी बायस ऑन परसेप्चुअल मोटर लर्निंग इन रिटार्डेशन, अनपब्लिस्ड मेनूस्क्रिप्ट यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ इलिनॉइस
18. पार्टर, पी0 (1979), टीचर एक्सपेक्टेन्सी : द इफेक्ट्स ऑफ रेस, सेक्स, डायरेक्शन ऑफ राइटिंग परफोर्मेन्स एण्ड ट्रायल्स ऑन द ग्रेडिंग ऑफ एस्सेज, डिसर्टेशन एब्सट्रेक्ट इण्टरनेशनल, 37, 1251–ए0
19. फिलिप्स, आर0 (1980), टीचर्स रिपोर्टेड एक्सपेक्टेशन्स ऑफ चिल्ड्रन सेक्स रोल्स एण्ड इवेल्यूएशन्स ऑफ साइन्स टीचिंग, डिजर्टेशन एब्सट्रेक्ट इण्टनेशनल, 41, 995–996 ए0
20. रॉजन्थल, आर0 एण्ड एल0 जेकब्सन (1968), ''पिग्मेलियन इन द क्लासरूम'' टीचर एक्सपेक्टेशन एण्ड प्यूपिल्स, इन्टलेक्चुअल डेवलेपमेन्ट हॉल्ट, रिनेहर्ट एण्ड विन्सटन, न्यूयॉर्क
21. स्मीड, वी0एस0 (1977), पिग्मेलियन वर्सेस गलाटा : एक्सपेक्टेशन्स ऑफ ऐथ ग्रेड गर्ल्स एण्ड बोयज एण्ड देयर सिग्नीफिकेन्ट अदर्स एज दे रिलेटेड टू एचीवमेन्ट इन मेथमेटिक्स क्लास डिसर्टेशन एब्सट्रेक्स इण्टरनेशनल, 37(11), 7051–ए0
22. टॉम, डेविड वाई0एचः कूपर, एच0 एण्ड मैक्ग्रॉ, एम0 (1984), इन्फ्लूएन्स ऑफ स्टूडेन्ट बैकग्राउन्ड एण्ट टीचर ऑथरिटेएनिज्म ऑन टीचर एक्सपेक्टेशन, जर्नल ऑफ एजूकेशनल सायकोलॉजी, 76, 2, 259 – 265
23. विसर, डी0(1987), द रिलेशनशिप ऑफ पेरेन्टल एटिट्यूड एण्ड एक्सपेक्टेशन्स टू चिल्ड्रेन्स मेथमेटिक्स एचीवमेन्ट बिहेवियर स्पेशल इश्यू: सेक्स डिफरेन्सेस इन अर्ली एडोलसेन्ट, जरनल ऑफ अर्ली एडोलसेन्ट, 7(1), 1–2